बिजनेस कान्क्लेव में शामिल विशेषज्ञ वक्ता। ●आइआइएम

व्यावसायिक सफलता के लिए रणनीति बनाना बहुत जरूरी

नईदुनिया (वि.), रायपुर : भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) में दो दिवसीय बिजनेस कान्क्लेव का आयोजन किया गया। विश्व कौशल स्टार्टअप से स्केलअप विषय पर आधारित पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञों ने सतत विकास और विस्तार योग्य व्यावसायिक सफलता के लिए रणनीतियों पर चर्चा की।

नवाचार और स्थायी व्यावसायिक सफलता को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ विश्वास, अनुकूलनशीलता, और सहयोग की आवश्यकता है। विशेषज्ञों ने इस बात पर चर्चा की कि व्यवसाय को विस्तार करते समय किस तरह फुर्ती बनाए रखी जाए। वक्ताओं ने सामान्यतावादी और विशेषज्ञ भूमिकाओं, व्यक्तित्व आधारित भर्ती, एआइ, प्रोडक्ट इंजीनियरिंग, टेक रिक्रूटमेंट जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता की बढ़ती मांग पर जोर दिया। सुमित सक्सेना ने स्टार्टअप्स में एचआर की बहुआयामी भूमिका पर अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा भविष्य में निवेश करना बहुत महत्वपूर्ण है। हमारी क्षमता और योग्यता हमें कुछ नया बनाने में मदद कर सकती है। स्टार्टअप शुरू करने का विचार एक समस्या को पहचान कर उसे हल करने पर आधारित होता है। इंदर एन. दुआ ने स्टार्टअप्स की बहुमुखी प्रकृति पर चर्चा करते हुए कहा कि नवाचार और उद्यमशीलता की भावना मौजूदा संगठनों में भी फल-फूल सकती है। स्टार्टअप एक अवधारणा है। उन्होंने नए उद्यम बनाने और बिक्री से लेकर भर्ती तक के बहुआयामी कार्यों को संभालने के दौरान सहयोग और विकास की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। श्रीधर नीलकंठन ने एक इंजीनियर के दृष्टिकोण के बारे में बताया। तकनीकी पृष्ठभूमि वाले लोग बिक्री और मार्केटिंग में प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं।

हमारे कुछ सर्वश्रेष्ठ सेल्सपर्सन गहरी इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से आते हैं। स्टार्टअप में उद्देश्य बहुत महत्वपूर्ण होता है। कान्क्लेव का मुख्य उद्देश्य ऐसे व्यावसायिक रणनीतियों को उजागर करना था जो राष्ट्रीय विकास के साथ-साथ पर्यावरण और समाज को भी लाभान्वित करें। इस अवसर पर विचारशील नेताओं, उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों ने बदलते बाजारों में नवाचार और दीर्घकालिक व्यावसायिक सफलता के तरीकों पर अपने विचार साझा किए।

Naidunia 25th Nov 2024, P. 01